आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 137 | उज्जैन, गुरूवार 10 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान में जो कदम उठाये गये हैं, वह सराहनीय हैं - केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया

भोपाल। संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जो कदम उठाये गये हैं, वह सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो। सभी वॉलेंटियर्स के रूप में आगे आयें और अपने-अपने स्तर पर प्रयास करें। केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया शिवपुरी जिले के बदरवास में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लाल तालाब के श्रमदान में शामिल हुए।

केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया ने पत्रिका समूह द्वारा किये जा रहे ÷अमृत जलम अभियान'' की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रकृति

के साथ हमारा सदैव संबंध रहा है और जल है तो कल है। उन्होंने कहा कि हमें यह दृढ़ संकल्प करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ी के लिये जल को सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने इस अभियान में सभी की भागीदारी के लिये बधाई दी।

कलियासोत को प्लास्टिक मुक्त बनाने की पहल-भोपाल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में पर्यावरण संरक्षण के लिये एक महत्वपूर्ण पहल की गयी है। इसमें वन विभाग, तिंसा फाउण्डेशन और नगर निगम ने मिलकर अभियान शुरू किया है। इस अभियान में कलियासोत को प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लिया। शहर के विभिन्न कॉलेजों के छात्र स्वैच्छा से इस अभियान में जुटे हैं। नगर निगम के कर्मचारी और वन विभाग का फ्रंटलाइन स्टॉफ भी इस अभियान में सक्रिय है। शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार और भोपाल की सुंदरता को बनाये रखने के लिये अभियान चलाया जा रहा है। उप वन मण्डलाधिकारी श्री धीरज सिंह चौहान ने बताया कि कलियासोत डेम क्षेत्र बाघ भ्रमण क्षेत्र, जहाँ का इलाका प्राकृतिक सम्पदा से समृद्ध है, इसे भोपाल का आक्सीजन बेल्ट कहा जाता है। यह अभियान क्षेत्र के ईको सिस्टम और शहर के पर्यावरण को स्वच्छ रखने में मदद करेगा।

कर्नाटक में 12वीं के नतीजों से परेशान पांच लड़कियों ने किया सुसाइड, शिक्षा मंत्री ने किया बड़ा एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक में परीक्षा के रिजल्ट से असहमत हुए कुछ छात्रों ने आत्महत्याा कर ली है। ये सभी छात्राएं 12 कक्षा की थी, इन्होंने ये कदम 12 वीं के बोर्ड का रिजल्ट आने के बाद उठाया है। कर्नाटक सरकार की तरफ से द्वितीय प्री-यूनिवर्सिटी (द्वितीय पीयूसी) wnd PUC Result 2025 या कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा-1 के रिजल्ट के एलान के बाद छात्रों से ऐसा कदम न उठाने का बार-बार आग्रह किया गया था।

इसके बावजूद राज्य भर में पांच छात्राओं ने अपने परीक्षा प्रदर्शन से परेशान होकर आत्महत्या कर ली है। पिछले 24 घंटों में मैसूरु, बल्लारी, दावणगेरे, हावेरी जिलों और बेंगलुरु शहर से ये घटनाएं सामने आई हैं।

जानकारी के अनुसार, मैसूरु के वोंटिकोप्पल इलाके में सरकारी पीयू कॉलेज की छात्रा ईश्वर्या ने अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। बल्लारी जिले के सिरगुप्पा तालुक के अगसानुरु की 12वीं की छात्रा विजयलक्ष्मी सिरिगुप्पा ने भी कथित तौर पर अपने परीक्षा परिणामों के कारण आत्महत्या कर ली। दावणगेरे की द्वितीय पीयूसी विज्ञान की छात्रा कृपा ने यह जानने के बाद कि वह अपने पहले प्रयास में असफल हो गई थी, यह कदम उठाया।

अब समंदर के नीचे दौड़ेगी ट्रेन, महज दो घंटे में मुंबई से दुबई तक का सफर होगा तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई और दुबई के बीच समंदर के नीचे हाई-स्पीड ट्रेन यात्रा का सपना अब हकीकत बनने के करीब है। यह प्रस्तावित अंडरवॉटर रेल प्रोजेक्ट भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एक क्रांतिकारी संपर्क स्थापित करेगा। अगर यह परियोजना सफल होती है, तो यह दोनों देशों के बीच व्यापार, पर्यटन और आर्थिक अवसरों को नई दिशा दे सकती है।

क्या है अंडरवाटर ट्रेन प्रोजेक्ट- यह प्रोजेक्ट 2018 में पहली बार सामने आया था और अब इसकी चर्चा फिर से तेज हो रही है, खासकर 2025 में। इस परियोजना के अनुसार, मुंबई और दुबई को एक अल्ट्रा-फास्ट फ्लोटिंग ट्रेन द्वारा जोड़ा जाएगा, जो अरब सागर के नीचे चलेगी। यह प्रोजेक्ट दुबई के फुजैराह से भारत के मुंबई को जोड़ने का लक्ष्य रखता है। इसमें तेल की आपूर्ति और पानी की आपूर्ति जैसे बड़े व्यापारिक उद्देश्य भी शामिल हैं।

दुश्मनों का पसीना छुड़ाने आ रहा Rafale-M, कई मिसाइलों से होगा लैस; खासियत देखकर उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलवार को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (ष्टस्स्) ने भारत के अब तक के सबसे बडे लड़ाकू विमान सौदे को मंजूरी दे दी है। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों की खरीदी को मंजूरी दी गई है।

एएनआई की खबर के मुताबिक, फ्रांस के साथ होने वाला यह सौदा 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक का है। भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्वीन-सीटर राफेल मरीन जेट मिलने वाले हैं।

इस सौदे पर हस्ताक्षर होने के लगभग पांच साल बाद राफेल-एम जेट की डिलीवरी शुरू होने की उम्मीद है। इन लड़ाकू विमानों को भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा और यह नौसेना के मौजूदा मिग-29 के बेड़े का पूरक होगा।

राफेल मरीन क्यों है खास- राफेल-एम की डिजाइन राफेल से थोड़ी अलग है। राफेल मरीन की साइज राफेल से छोटी है।

इस विमान को विमानवाहक युद्धपोत के लिए खास तैयार किया गया है।

राफेल मरीन आसानी से एयरक्राफ्ट कैरियर पर लैंड कर सके, इसके लिए विमान के लैडिंग गियर और एयर फ्रेम को भी अधिक शक्तिशाली बनाया गया है।

कितना है राफेल-एम का वजन- इस फाइटर जेट के वजन की बात करें तो राफेल की तुलना में राफेल मरीन का वजन थोड़ा अधिक है। जानकारी के मुताबिक, इस लड़ाकू विमान का वजन लगभग 10,300 किलोग्राम है। राफेल विमान के विंग्स मुड़ नहीं सकते हैं, लेकिन राफेल मरीन के विंग्स पूरी तरह से मुड़ सकते हैं।

सैफ अली खान पर हमले के मामले में 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हमले के सिलसिले में मुंबई पुलिस ने आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। मुंबई की बांद्रा पुलिस ने बताया है कि बांद्रा कोर्ट में 1000 पन्नों का आरोपपत्र (चार्जशीट) दायर किया है।

चार्जशीट में कई सबूत- पुलिस के मुताबिक चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपित शरीफुल इस्लाम के खिलाफ कई सबूत मिले हैं। 1000 पन्नों से अधिक बड़ी चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट को भी शामिल किया गया है। आरोपपत्र में कहा गया है कि सैफ अली खान के शरीर और आरोपी के पास मिले टुकड़े एक ही चाकू के थे। चार्जशीट में पुलिस को मिले आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र है।

लूटपाट की नीयत से घुसा था आरोपी - अभिनेता सैफ अली खान पर 16 जनवरी की रात उनके ही घर पर हमला हुआ था। आरोपित लूटपाट की नीयत से घर में दाखिल हुआ था। विरोध करने पर उसने सैफ अली खान पर चाकू से हमला किया। पुलिस के मुताबिक अभिनेता को रीढ़ की हड्डी और शरीर के अन्य अंगों पर चोट आई थी। लीलावती अस्पताल में पांच दिन के इलाज के बाद 21 जनवरी को सैफ अली खान को छुट्टी मिल गई थी।

मुंबई पुलिस ने आरोपित मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को ठाणे से गिरफ्तार किया था। वह वारदात से छह महीने पहले ही बांग्लादेश से अवैध तरीके से घुसपैठ करके भारत आया था।

दिल्ली-यूपी में भीषण गर्मी, अप्रैल में 40 डिग्री के पार पहुंचा पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में गर्मी का प्रकोप जारी है। दिल्ली समेत पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा रहा है। वहीं मौसम विभाग का अनुमान है कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से गुरुवार और शुक्रवार को मौसम का मिजाज बदलेगा। दिल्ली समेत कुछ स्थानों पर बादल छाए रहेंगे, तेज हवा चलने के साथ हल्की वर्षा भी हो सकती है। आठ अप्रैल का दिन दिल्ली में पिछले तीन सालों में सबसे गर्म रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 5.9 डिग्री बढ़ कर 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पीएम मोदी ने किया नवकार महामंत्र का जाप, बोले- ये मंत्र नई पीढ़ी के लिए जाप नहीं दिशा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम मोदी ने अन्य लोगों के साथ नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में नवकार महामंत्र का जाप किया। इसके बाद उन्होंने लोगों को संबोधित भी किया। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले 9 संकल्पों पर बात की।

उन्होंने कहा साथियों जब आज इतनी बड़ी संख्या में नवकार महामंत्र का जाप किया तो मैं चाहता हूं सब ये 9 संकल्प लेकर जाएं-

कौन-कौन से 9 संकल्प- अब पहला संकल्प पानी बचाने का संकल्प है।

फिर उन्होंने कहा दूसरा संकल्प है एक पेड़ मां के नाम।

तीसरा संकल्प है साफ सफाई का।

चौथा संकल्प है वोकल पर लोकल। उन्होंने कहा, जिस सामान में भारत की मिट्टी की महक है, हमें उसे खरीदना है और लोगों को भी प्रेरित करना है।

पांचवां संकल्प- देश दर्शन

छठां संकल्प-नेचरल फार्मिंग को अपनाना

सांतवां संकल्प-खेलती लाइफस्टाइल को अपनाना, खानपान में

आठवां संकल्प- अपनी जिंदगी में योगा और खेल को अपनाइए

नौंवा संकल्प -गरीबों की मदद करना

भारत थमेगा नहीं ऊंचाई को छुएगा

इसके बाद पीएम मोदी ने कहा-मैंने लालकिले से कहा है- विकसित भारत यानी विकास भी, विरासत भी। एक ऐसा भारत जो रुकेगा नहीं, ऐसा भारत जो थमेगा नहीं। जो ऊंचाई छुएगा, लेकिन अपनी जड़ों से नहीं कटेगा।

आध्यात्मिक शक्ति को अब भी अपने भीतर अनुभव कर रहा हूं- पीएम मोदी ने आगे कहा, मैं नवकार महामंत्र की इस आध्यात्मिक शक्ति को अब भी अपने अंदर अनुभव कर रहा हूं। कुछ साल पूर्व मैं बंगलूरू में ऐसे ही एक सामुहिक मंत्रोच्चार का साक्षी बना था, आज वही अनुभूति हुई और उतनी ही गहराई में हुई।

एकता का संदेश है आयोजन- पीएम ने कहा- नवकार महामंत्र इस विजडम का स्त्रोत बन सकता है, नई पीढ़ी के लिए ये मंत्र जप नहीं दिशा है। ये आयोजन एकता का संदेश बना है, जो कोई भारत माता की जय बोलता है, हमें उसे लेकर जाना है।

चेत जाओ नहीं तो पूरी दुनिया देखेगी दहशत, सऊदी अरब को क्यों आंख दिखाने लगा यह देश?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ जंग शुरू करने के ऐलान के बाद से अमेरिकी सेना यमन में उन्हें निशाना बनाकर लगातार हवाई हमले कर रही है। इन हमलों में अब तक दर्जनों लोगों के मारे जाने की खबर है। इस बीच हुती विद्रोहियों के नेतृत्व वाली यमनी सेना ने बुधवार को सऊदी अरब को कड़ी चेतावनी जारी कर दी है। सेना ने कहा है कि अगर सऊदी इस जंग में किसी भी तरह से शामिल होता है तो अंजाम ठीक नहीं होगा। यहीं नहीं, हूतियों ने ऐसा ना करने पर सऊदी के तेल ठिकानों को बर्बाद कर देने की कसम भी खाई है।

यमनी सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खौफनाक तस्वीरें पोस्ट करते हुए तेल ठिकानों पर पिछले दिनों किए गए हमलों की याद भी दिलाई। बता दें कि दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक देश, सऊदी अरब के कई तेल ठिकाने हुती विद्रोहियों के नेतृत्व वाले विद्रोही गुटों के टारगेट के अंदर हैं और वह उनपर हमला करने में पूरी तरह सक्षम है। यमन सशस्त्र बल ने बुधवार को एक्स पर लिखा, ÷इजरायल की सेवा में यमन के खिलाफ आक्रमण शुरू करने के लिए सऊदी-अमेरिकी सैन्य गतिविधियां तेज हो रही हैं। सऊदी अरब के लिए संदेश- इसमें शामिल मत होना। कोई तेल नहीं बचेगा। हम सऊदी अरब के आसमान को आग के बादलों में बदल देंगे। इसे पूरी दुनिया देखेगी। वहीं अमेरिका के हवाई हमलों के बीच सऊदी अरब ने हाल के दिनों में इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन हूतियों ने सऊदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यमनी सेना के मुताबिक वह इस जंग में एक बार फिर अमेरिका का साथ देकर बड़ी गलती कर रहा है और उसे इसके अंजाम भुगतने होंगे।

झुकेंगे नहीं, चीन ने अमेरिका पर लगाय 84% टैरिफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अमेरिका के टैरिफ का करारा जवाब दिया है। ड्रैगन ने अमेरिकी वस्तुओं पर टैरिफ बढ़ाकर 84त्न कर दिया है। इससे पहले अमेरिका ने चीन पर 104त्न टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। यह कदम दोनों देशों के बीच व्यापार युद्ध को और अधिक बढ़ावा देने वाला है।

व्यापार युद्ध की पृष्ठभूमि- अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध लंबे समय से चल रहा है, जिसमें दोनों देश एक दूसरे पर टैरिफ लगाते रहे हैं। ट्रंप प्रशासन ने चीन पर व्यापारिक घाटा कम करने और बौद्धिक संपदा की चोरी के आरोप लगाए हैं।

चीन की प्रतिक्रिया- चीन की ओर से अमेरिकी वस्तुओं पर 84 प्रतिशत टैरिफ लगाने का कदम एक कड़ा संदेश है कि वह अमेरिकी दबाव के आगे नहीं झुकेगा। चीन ने साफ कर दिया है कि अमेरिका की इस नीति के खिलाफ वो अंत तक लड़ेगा। अमेरिकी टैरिफ को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले चीनी सामान पर 20 फीसदी टैरिफ लगाया था।

अमेरिका ने चीन पर कब-कब लगाया टैरिफ- बता दें कि ट्रंप ने चीन के खिलाफ 2 अप्रैल को 34 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ का एलान किया। मगर जवाब में चीन ने भी अमेरिकी वस्तुओं पर 34 फीसदी टैरिफ लगा दिया।

चीन के इस जवाबी एक्शन से डोनाल्ड ट्रंप भड़क उठे। उन्होंने अमेरिका में चीनी सामानों पर 50 फीसदी और टैरिफ लगाने का एलान किया। अब तक अमेरिका चीन पर कुल 104 फीसदी टैरिफ लगा चुका है। दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्था के बीच छिड़ी इस जंग ने आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ा दी है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि हम अंत तक लड़ेंगे।

क्या हो सकता है टैरिफ वॉर का प्रभाव- इस व्यापार युद्ध के प्रभाव दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकते हैं। अमेरिका में भी इस मुद्दे पर विभाजन है, कुछ लोगों का मानना है कि टैरिफ से अमेरिकी उद्योगों को लाभ होगा, जबकि अन्य को लगता है कि इससे उपभोक्ताओं को नुकसान होगा।

मैं अभी भी प्रधानमंत्री हूं, शेख हसीना ने दिए बांग्लादेश की राजनीति में वापसी के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने मंगलवार को अपनी पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की धमकियां देने वालों को चेतावनी दी है। कहा कि अवामी लीग कोई परजीवी नहीं है और न ही बाढ़ के पानी के साथ उभरी है।

पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वाले नेताओं का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा, उनकी हिम्मत मुझे हैरान करती है। उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि मैं सबकुछ छोड़कर चली गई हूं। संविधान के अनुसार मैं अभी भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हूं। उनकी सत्ता की कोई वैधता नहीं है।

पिछले साल अगस्त से भारत में रह रहीं हसीना ने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, प्रतिबंध की मांग करने वालों के क्या अधिकार हैं। यूनुस खुद फासीवादी हैं क्योंकि उन्होंने श्रमिकों, शिक्षकों, छात्रों और अन्य लोगों पर क्रूर कार्रवाई की, जो अपनी उचित मांगों के लिए अभियान चला रहे थे। गौरतलब है कि नेशनल सिटिजन्स पार्टी और कुछ दक्षिणपंथी समूहों ने आवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। हसीना ने कहा कि यूनुस के पास देश चलाने के लिए कोई संवैधानिक आधार या जनादेश नहीं है।

चीन में बड़ा हादसा, नर्सिंग होम में आग लगने से 20 की मौत; कई लोगों को बचाया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को बताया कि उत्तरी चीन के एक नर्सिंग होम में आग लगने से 20 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

आग में मारे गए लोग और इलाज के लिए अस्पताल भेजे गए अन्य बुजुर्ग- शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि 8 अप्रैल को स्थानीय समयानुसार रात 9 बजे हेबेई प्रांत के चेंगडे शहर में स्थित एक नर्सिंग होम में आग लग गई।

शिन्हुआ ने बताया कि नर्सिंग होम में आग लगने के बाद सुरक्षित निकाले गए लोगों को आगे की निगरानी और उपचार के लिए पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल कितने लोग घायल हैं इसकी जानकारी सामने नहीं आई है।

आग की वजह की जांच जारी- वहीं, आग के कारणों की जांच अभी चल रही है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि वे पूरी स्थिति की जांच कर रहे हैं और इस दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

वो मूर्ख हैं..., टैरिफ को लेकर किस पर फूटा Elon Musk का गुस्सा? क्या निशाने पर हैं ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेसिप्रोकल टैरिफ नीति की वजह से दुनिया भर के बाजारों में हलचल मच गई है। इस नीति को लेकर जारी विवाद के बीच टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने बड़ा बयान दिया है। एलन मस्क ने व्हाइट हाउस के वरिष्ठ व्यापार सलाहकार पीटर नवारो को डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति पर बढ़ते विवाद के बीच वास्तव में मूर्ख कहा और उनकी तुलना ईंटों की बोरी से की है।

राष्ट्रपति के करीबी सहयोगी एलन मस्क ने टैरिफ नीति का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने पीटर नवारो पर निशाना साधा है, जिन्होंने टेस्ला को कार बनाने वाली कंपनी नहीं बल्कि सिर्फ कार जोड़ने वाली कंपनी बताया था। पीटर नवारो ने हाल ही में एलन मस्क पर तंज कसते हुए कहा था कि टेस्ला ने बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान और टायर जैसे पुर्जे बाहर से मंगवाए हैं और मस्क हमेशा सस्ते विदेशी पार्ट्स चाहते हैं। इस पर मस्क ने भी करारा जवाब दिया।

वैश्विक मंदी की आशंकाओं के कारण आयात पर ट्रम्प के नए टैरिफ ने बाजारों को हिलाकर रख दिया है। भारत पर भी ट्रंप ने अच्छा-खासा टैरिफ लगाया है। ट्रंप ने भारत पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। अमेरिका अब तक मुक्त व्यापार को अधिक तरजीह देता आया है। लेकिन, अब ट्रंप प्रशासन का मानना है कि भारत अमेरिकी प्रोडक्ट पर ज्यादा टैरिफ लगाता है, इसलिए उसे भी भारतीय सामान पर टैरिफ में बढ़ोतरी करनी चाहिए। दुनिया के सबसे अमीर आदमी ने हाल ही में उत्तरी अमेरिका और यूरोप के बीच एक मुक्त व्यापार क्षेत्र का समर्थन किया।

14 महीने की लव स्टोरी, भारत के इस गांव का युवक बना विदेशी दिल की धड़कन; सबकुछ छोड़ अमेरिका से आई महिला

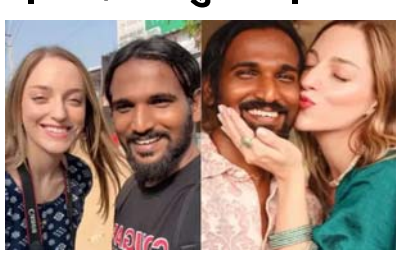

नई दिल्ली (एजेंसी)। जब भी प्यार की बात आती है तो देश भर से दिलचस्प लव स्टोरीज सामने आती हैं। ऐसे ही एक दिलचस्प कहानी अमेरिकी महिला को लेकर सामने आई है। एक अमेरिकी महिला ने अपने जीवन के प्यार से शादी करने के लिए हजारों मील की यात्रा की है। महिला को जिस शख्स से प्यार हुआ वो आंध्र प्रदेश के एक दूरदराज के गांव से आता है।

अमेरिकी लेडी जैकलिन फोरेरो एक फोटोग्राफर है और वो चंदन से प्यार करने लगी है। महिला की चंदन से इंस्टाग्राम पर दोस्ती हुई और दोनों के बीच खूब बातचीत हुई, फिर धीरे-धीरे ये दोस्ती प्यार में बदल गई। महिला शख्स की इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर उसकी सादगी और गर्मजोशी से आकर्षित हुई।

इस तरह शुरू हुई दोनों की लव स्टोरी- दोनों की लव स्टोरी की कहानी एक सिंपल हाय से शुरू हुई। यह दिल को छू लेने वाली बातचीत में बदल गई। अगले 14 महीनों में, उन्होंने एक-दूसरे से बात की और प्यार में पड़ गए। यह कपल अब शादी के बंधन में बंधने की योजना बना रहा है।

एक इंस्टाग्राम पोस्ट में, फोरेरो ने लिखा, 14 महीने साथ रहे और एक बड़े नए अध्याय के लिए तैयार हैं। 45 सेकंड की वीडियो को शेयर कर महिला ने बताया कैसे एक सामान्य संदेश एक अटूट बंधन में बदल गया, उन्होंने लिखा, मैंने सबसे पहले चंदन को मैसेज किया। उसकी प्रोफाइल से, मैंने देखा कि वह एक भावुक ईसाई व्यक्ति था जो धर्मशास्त्र जानता था।

जैक्लिन खुद चंदन से 9 साल बड़ी है और उनका बॉन्ड इंस्टाग्राम मैसेज और वीडियो कॉल के जरिये बना। 7 महीने में ही जैक्लिन उससे शादी करने के लिए भारत चली आई और साढ़े तीन साल बाद चंदन उसके लिए अमेरिका पहुंच गया।

पुतिन ने दोस्त मोदी को भेजा न्योता, विक्ट्री डे परेड में शामिल होने रूस जा सकते हैं पीएम; क्यों खास है 9 मई का दिन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 9 मई को होने वाले जर्मनी पर विजय की 80वीं वर्षगांठ के जश्न में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। यह जानकारी रूस के उप विदेश मंत्री आंद्रेई रूडेंको ने दी। उनका कहना था कि रूस को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी इस साल के विजय दिवस परेड में हिस्सा लेंगे।

आमंत्रण भेजा गया, यात्रा पर काम हो रहा है- रूसी समाचार एजेंसी तास के मुताबिक, रूडेंको ने मंगलवार को कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रण भेजा जा चुका है और इस यात्रा पर काम किया जा रहा है। यह यात्रा इस साल होनी चाहिए।÷ रूस ने इस साल विजय दिवस परेड में कई मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है।

विजय दिवस की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि- बता दें, जनवरी 1945 में सोवियत सेना ने जर्मनी के खिलाफ आक्रमण शुरू किया था। 9 मई को जर्मनी के कमांडर-इन-चीफ ने बिना शर्त आत्मसमर्पण की संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध का समापन हुआ था। रूस में इस दिन को विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पीएम मोदी की रूस यात्रा और भविष्य की योजनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने जुलाई 2024 में रूस का दौरा किया था, जो लगभग पांच वर्षों में उनका पहला यात्रा था। इससे पहले, उन्होंने 2019 में रूस के पूर्वी शहर ब्लादिवोस्तोक का दौरा किया था, जहां वह एक आर्थिक सम्मेलन में शामिल हुए थे।

ट्रंप के टैरिफ से कैसे निपटेगा भारत? पहली बार विदेश मंत्री जयशंकर ने बताई अपनी रणनीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ ने दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में उथल-पुथल मचा रखी है। भारत पर भी ट्रंप ने 26 फीसदी टैरिफ लगाया है। टैरिफ लगने के बाद बुधवार को पहली बार सरकार ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि टैरिफ से निपटने के लिए भारत की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना है।

सहमति बनाने वाला भारत एकमात्र देश

यह पहली बार है जब विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका की टैरिफ नीति पर विस्तृत प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्री ने कहा कि वाशिंगटन के साथ सहमति बनाने वाला भारत शायद एकमात्र देश है।

हमारी रणनीति बिल्कुल स्पष्ट है- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इस बारे में सोचना संभव है कि इसका क्या असर होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। हमने तय किया कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन से जल्द ही बातचीत करेंगे। दोनों पक्ष बेहद रचनात्मक थे। हम इस बात पर सहमत हुए कि इस साल के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत करने की कोशिश की जाएगी।

हर देश अमेरिका से निपटने की रणनीति बना रहा- विदेश मंत्री ने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरी बार सत्ता में आने के बाद हम एकमात्र देश हैं, जो वास्तव में सैद्धांतिक रूप से इस तरह की समझ तक पहुंच पाए हैं। आज दुनिया का हर देश अमेरिका से निपटने की रणनीति बना रहा है। भारत का फोकस ट्रंप प्रशासन के साथ व्यापार समझौता करना है।

मोदी सरकार ने पंजाब-हरियाणा समेत आंध्र-तमिलनाडु को दी बड़ी सौगात

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें जीरकपुर बाईपास निर्माण, रेलवे लाइन का दोहरीकरण और जल प्रबंधन योजना का आधुनिकीकरण शामिल हैं। ये परियोजनाएँ राज्य की यातायात सुविधाओं को सुधारने, जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हैं।

जीरकपुर बाईपास निर्माण को मंजूरी- कैबिनेट ने पंजाब और हरियाणा में जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी है। यह बाईपास 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा और इसकी लंबाई 19.2 किलोमीटर होगी। इसका मुख्य उद्देश्य यातायात की भीड़-भाड़ को कम करना और हिमाचल प्रदेश को सीधे कनेक्टिविटी देना है। इससे पटियाला, मोहाली और दिल्ली से आने-जाने वाले यात्री आसानी से यात्रा कर सकेंगे। रेल लाइन दोहरीकरण पर फैसला

कैबिनेट ने तिरुपति-पाकला-कटपडी सिंगल रेलवे लाइन के दोहरीकरण को भी मंजूरी दी। यह परियोजना आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 104 किलोमीटर के क्षेत्र में लागू होगी, जिसकी कुल लागत 1332 करोड़ रुपये होगी।

जयललिता के खिलाफ रजनीकांत ने क्यों खोला था मोर्चा? 30 साल बाद बताई वजह; दोस्त को याद कर हुए भावुक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिल फिल्मों के सुपरस्टार रजनीकांत के हालिया बयान से सभी को चौंका दिया है। दरअसल रजनीकांत ने तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के साथ अपने खराब संबंधों पर 30 साल बाद चुप्पी तोड़ी है।

रजनीकांत ने बताया है कि उन्होंने हमेशा जयललिता के खिलाफ बयान क्यों दिया। बता दें कि तमिल फिल्म इंडस्ट्री में रजनीकांत और प्रोड्यूसर और राजनेता आरएम वीरप्पन की दोस्ती आज भी उदाहरण मानी जाती है। रजनीकांत की कई फिल्में वीरप्पन की सत्या मूवीज के तहत प्रोड्यूस की गई हैं।

आरएम वीरप्पन से थे करीबी संबंध- आरएम वीरप्पन पर बनी डॉक्यूमेंट्री में रजनीकांत ने बताया कि 1995 में बाशा फिल्म का इवेंट हो रही था और इस दौरान मंच पर वीरप्पन और रजनीकांत दोनों मौजूद थे। वीरप्पन उस समय तमिलनाडु की एआईएडीएमके सरकार में मंत्री थे। मंच से रजनीकांत ने वंशवाद की राजनीति, बॉम्ब कल्चर और तमिलनाडु के ग्रेवयार्ड बनने जैसे मुद्दों पर टिप्पणी की थी। इससे नाराज होकर जयललिता ने वीरप्पन को मंत्रालय से हटा दिया था। जब रजनीकांत को यह बात पता चली थी, तब वह बेहद दुखी हुए थे।

बताते हुए भावुक हो गए रजनीकांत- रजनीकांत ने बताया कि इससे वीरप्पन को जरा भी फर्क नहीं पड़ा था और वह खुद रजनीकांत से परेशान नहीं होने के लिए कहते थे।

दिल्ली से बैंकॉक जा रही थी फ्लाइट, तभी शख्स ने साथी यात्री के साथ की घिनौनी हरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-बैंकॉक एयर इंडिया की फ्लाइट में एक भारतीय नागरिक ने कथित तौर पर एक अपने को पैसेंजर यानी साथी यात्री पर पेशाब कर दिया। फ्लाइट नंबर एआई 2336 में सवार यात्री नशे में था और उसने एक कंपनी के प्रबंध निदेशक पर पेशाब कर दिया।

सूत्रों ने बताया कि मामले की सूचना प्राधिकारियों को दे दी गई है और एयर इंडिया ने बैंकॉक में पीड़ित यात्री की मदद करने की पेशकश की है। उन्होंने बताया कि उपद्रवी यात्री के खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है एयरलाइन ने इस घटना पर बयान भी दिया है।

एयरलाइन ने बयान में कहा कि ÷पीड़ित यात्री÷ ने बैंकॉक में उतरने के बाद अधिकारियों के समक्ष मामला उठाने में मदद करने के एयर इंडिया के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। घटना पर संज्ञान लेते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि अधिकारी एयरलाइन से बात की जाएगी। बयान में कहा गया कि चालक दल ने सभी निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन किया। एयरलाइन ने मानक संचालन प्रक्रिया और विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय का हवाला देते हुए कहा, अनियंत्रित यात्री को चेतावनी देने के अलावा, हमारे चालक दल ने पीड़ित यात्री को बैंकॉक में अधिकारियों के समक्ष शिकायत उठाने में सहायता करने की पेशकश की, जिसे उस समय अस्वीकार कर दिया गया। घटना का आकलन करने और अनियंत्रित यात्री के खिलाफ की जाने वाली कार्रवाई, यदि कोई हो, निर्धारित करने के लिए स्थायी स्वतंत्र समिति बुलाई जाएगी। एयर इंडिया ऐसे मामलों में डीजीसीए द्वारा निर्धारित एसओपी का पालन करना जारी रखे हुए है।

मोदी सरकार ने बांग्लादेश को दिया झटका, भूटान और नेपाल को नहीं बेच पाएगा सामान; भारत के खिलाफ बयान देना पड़ा भारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने बांग्लादेश को दी गई ट्रांसशिपमेंट की सुविधा खत्म कर दी है। इससे बांग्लादेश का भूटान, नेपाल और म्यांमार के साथ व्यापार प्रभावित हो सकता है। इस सुविधा के तहत बंदरगाहों और हवाई अड्डों के रास्ते में भारतीय भूमि सीमा शुल्क स्टेशनों का उपयोग करके बांग्लादेश से तीसरे देशों को निर्यात कार्गो की अनुमति दी गई थी।

मुख्य रूप से परिधान क्षेत्र के भारतीय निर्यातकों ने सबसे पहले सरकार से पड़ोसी देश से यह सुविधा वापस लेने का आग्रह किया था। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) ने इस बारे में एक सर्कुलर जारी किया है।

भारत के रास्ते सामान भेजता था बांग्लादेश - इसमें बोर्ड ने 29 जून, 2020 के अपने पुराने आदेश को रद कर दिया है। उसमें बांग्लादेश से आने वाले सामान को भारत के रास्ते दूसरे देशों में भेजने की अनुमति दी गई थी। यह सामान जमीन के रास्ते भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों तक पहुंचता था। इसका मकसद यह था कि बांग्लादेश आसानी से भूटान, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों को सामान भेज सके।

लेकिन शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी आई है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (फियो) के महानिदेशक अजय सहाय ने कहा, अब हमारे पास अपने कार्गो के लिए अधिक हवाई क्षमता होगी। नए आदेश के बाद सुविधा बंद

एईपीसी के अध्यक्ष सुधीर सेखरी ने कहा था कि लगभग 20-30 लोडेड ट्रक हर दिन दिल्ली आते हैं, जिससे कार्गो की सुचारू आवाजाही धीमी हो जाती है और एयरलाइंस इसका अनुचित लाभ उठा रही हैं। इससे हवाई मालभाड़े में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) का कहना है कि नए आदेश के बाद यह सुविधा तुरंत बंद कर दी गई है। हालांकि जो सामान पहले से ही भारत में आ चुका है, उसे पुराने नियमों के अनुसार बाहर जाने दिया जाएगा।

डॉक्टर से शादी, ISI की कठपुतली... लेकिन फिर भी PAK से भागा तहव्वुर राणा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 26 नवंबर 2008 की तारीख को बीते करीब 17 साल हो गए। देश की आर्थिक राजधानी में देर रात आतंकियों ने शहर के कई इलाकों में अंधाधुंध फायरिंग की। चाहे बच्चे हो या महिलाएं, गोलियों के निशाने पर जो कोई आया आतंकियों ने उसे मौत के घाट उतार दिया।

दो पांच सितारा होटलों ओबेरॉय ट्राइडेंट और ताज, छत्रपति शिवाजी रेलवे स्टेशन, नरीमन हाउस यहूदी केंद्र, लियोपोल्ड कैफे और कामा हॉस्पिटल को आतंकियों ने निशाना बनाया। इस कायराना हमले में 160 से ज्यादा लोगों की जान चली गई।

उसी रात कार को अगवा करके भाग रहे आतंकी अजमल कसाब को सब इंस्पेक्टर तुकाराम ओंबले ने पकड़ लिया। कसाब का साथी आतंकी मारा जा चुका था। हालांकि, कसाब की गोलियों से सब इंस्पेक्टर तुकाराम ओंबले की मौके पर मौत हो गई थी। हमले का मास्टरमाइंड है तहव्वुर राणा

इस घटना को अंजाम देने वाले आतंकी को तो फांसी मिल गई थी, लेकिन इस आतंकी हमले का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा भारत के शिकंजे से दूर था। आखिरकार 17 साल बाद मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड राणा को अमेरिका से भारत लाया जा रहा है। 12 जनवरी, 1961 को पाकिस्तान के चिचावतनी में जन्मे 64 वर्षीय तहव्वुर राणा ने कैडेट कॉलेज हसन अब्दल में पढ़ाई की। यह एक मशहूर सैन्य तैयारी कराने वाला स्कूल रहा है। यहीं, उसकी डेविड कोलमैन हेडली से दोस्ती हुई। इसी दोनों ने मिलकर मुंबई आतंकी हमले को अंजाम दिया था। पत्नी के साथ कनाडा में ली शरण

मेडिकल डिग्री हासिल करने बाद, राणा पाकिस्तानी सेना की मेडिकल कोर में शामिल हो गया, जहां उसने कैप्टन जनरल ड्यूटी प्रैक्टिशनर के रूप में काम किया। साल 2001 में तहव्वुर राणा और उसकी पत्नी समराज राणा अख्तर, कनाडा के नागरिक बन गए।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृयोदशी

संपादकीय

हम से अधिकांश लोगों से जब क्रिकेट के किसी खिलाड़ी का नाम पूछा जाता है तो....

हम से अधिकांश लोगों से जब क्रिकेट के किसी खिलाड़ी का नाम पूछा जाता है तो हम तुरंत बिना कुछ सोचे सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली या अन्य किसी पुरुष खिलाड़ी का नाम बता देते हैं; शायद बहुत कम या दशमलव मात्र लोग ही होंगे जो इस प्रश्न के जवाब में मिताली राज, झूलन गोस्वामी या अन्य किसी महिला खिलाड़ी का नाम लेंगे। इसी तरह, जब हम वैज्ञानिकों की बात करते हैं तो हमारे दिमाग में स्टीफन हॉकिंग, आईजैक न्यूटन, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, सी.वी. रमन जैसे पुरुष वैज्ञानिकों की ही छवि उभर कर सामने आती है, न कि जानकी अम्माल, असीमा चटर्जी, अन्ना मणि जैसी महिला वैज्ञानिकों की। जी हां, भले ही आधुनिक युग में महिलाएँ धरती से आसमान तक हर जगह पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं, लेकिन आज भी उच्च शिक्षा से लेकर शोध संस्थानों व कार्यक्षेत्र तक, हर जगह पर उनके योगदान को उतना महत्व नहीं दिया जाता जितना कि एक पुरुष के योगदान को दिया जाता है। तमाम तरह की चुनौतियों के बावजूद इसरो में चंद्रयान मिशन हो या फिर मंगल मिशन की सफलता, नासा से लेकर नोबेल पुरस्कार तक हर क्षेत्र में हमारी महिला वैज्ञानिकों ने अपना लोहा मनवाया है। तो चलिये जानते हैं विज्ञान की जादुई दुनिया में अपना परचम लहराने वाली कुछ महिला वैज्ञानिकों के बारे में और इस क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में।

जिस सदी में महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद करके रखा जाता था, उसी समय में सामाजिक बेड़ियों को तोड़कर विज्ञान की दुनिया में कीर्तिमान स्थापित करने वाली कुछ महिला वैज्ञानिकों के नाम इस प्रकार हैं।

जानकी अम्माल ¬ 4 नवंबर 1897 को केरल में जन्मी जानकी अम्माल वनस्पतिशास्त्र की वैज्ञानिक थीं। इन्होंने गन्नों की हाइब्रिड प्रजाति की खोज और क्रॉस ब्रीडिंग पर शोध किया था जिसे पूरी दुनिया में मान्यता मिली। वनस्पति शास्त्र में योगदान को देखते हुए साल 1957 में इन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। 7 फरवरी, 1984 को इनका निधन हो गया।

आनंदीबाई जोशी¬ इनका जन्म 31 मार्च 1865 को पुणे शहर में हुआ था। ये भारत की पहली महिला थीं जिन्होंने विदेश में डॉक्टर की डिग्री हासिल की। भारत लौटने के बाद इन्होंने चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य के क्षेत्र में काफी काम किया। 26 फरवरी 1887 में महज 22 साल की उम्र में बीमारी के चलते इनका निधन हो गया। असीमा चटर्जी कैंसर चिकित्सा, मिर्गी और मलेरिया रोधी दवाओं के विकास के लिये प्रसिद्ध असीमा चटर्जी का जन्म 23 सितंबर 1917 को बंगाल में हुआ था। ये पहली भारतीय महिला थीं जिन्हें किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट ऑफ साइंस की उपाधि दी गई थी। 2006 में 90 साल की उम्र में इन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

अन्ना मणि¬ मौसम वैज्ञानिक के तौर पर मशहूर अन्ना मणि का जन्म 23 अगस्त 1918 को केरल के त्रावणकोर में हुआ था। इन्होंने सौर विकिरण, ओजोन परत और वायु ऊर्जा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया। 16 अगस्त 2001 को इनकी जीवनलीला समाप्त हो गई। किरण मजूमदार शा¬ किरण विज्ञान की दुनिया में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अहम योगदान देने वाली किरण मजूमदार ने मधुमेह, कैंसर और आत्म प्रतिरोधी बीमारियों पर शोध के साथ ही एंजाइमों के निर्माण के लिये एकीकृत जैविक दवा कंपनी 'बायोकॉन लिमिटेड' की स्थापना की।

हमारी महिला वैज्ञानिकों ने केवल विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य किए हैं, बल्कि गणित, अंतरिक्ष और खगोल शास्त्र के क्षेत्र में भी शानदार उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

महावीर जयन्ती

महावीर जयन्ती का पर्व महावीर स्वामी के जन्म दिन चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। भगवान महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जीवन ही उनका संदेश है। उनके सत्य, अहिंसा, के उपदेश एक खुली किताब की भाँति है। महावीर ने एक राजपरिवार में जन्म लिया था। उनके परिवार में ऐश्वर्य, धन-संपदा की कोई कमी नहीं थी, जिसका वे मनचाहा उपभोग भी कर सकते थे किंतु युवावस्था में क़दम रखते ही उन्होंने संसार की माया-मोह, सुख-ऐश्वर्य और राज्य को छोड़कर यातनाओं को सहन किया। सारी सुविधाओं का त्याग कर वे नंगे पैर पैदल यात्रा करते रहे।

परिचय

मानव समाज को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने वाले महापुरुष भगवान महावीर का जन्म ईसा से 599 वर्ष पूर्व चैत्र मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को बिहार में लिच्छिवी वंश के महाराज श्री सिद्धार्थ और माता त्रिशिला देवी के यहां हुआ था। जिस कारण इस दिन जैन श्रद्धालु इस पावन दिवस को महावीर जयन्ती के रूप में परंपरागत तरीके से हर्षोल्लास और श्रद्धाभक्ति पूर्वक मनाते हैं। बचपन में भगवान महावीर का नाम वर्धमान था। जैन धर्मियों का मानना है कि वर्धमान ने कठोर तप द्वारा अपनी समस्त इन्द्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। उनका यह कठिन तप पराक्रम के सामान माना गया, जिस कारण उनको महावीर कहा गया और उनके अनुयायी जैन कहलाए।

वर्धमान नाम

जन्मोत्सव पर ज्योतिषों द्वारा चक्रवर्ती राजा बनने की घोषणा की गयी। उनके जन्म से पूर्व ही कुंडलपुर के वैभव और संपन्नता की ख्याति ?दिन दूनी रा?त चौगुनी बढ़ती गई। अत¬ महाराजा सिद्धार्थ ने उनका जन्म नाम वर्धमान रखा। चौबीस घंटे दर्शनार्थियों की भीड़ ने राज-पाट की सारी मर्यादाएँ तोड़ दी। वर्धमान ने लोगों में संदेश प्रेरित किया कि उनके द्वार सभी के लिए हमेशा खुले रहेंगे।

वीर नाम

जैसे-जैसे महावीर बड़े हो रहे थे, वैसे-वैसे उनके गुणों में बढ़ोतरी हो रही थी। एक बार जब सुमेरू पर्वत पर देवराज इंद्र उनका जलाभिषेक कर रहे थे। तब कहीं बालक बह न जाए इस बात से भयभीत होकर इंद्रदेव ने उनका अभिषेक रुकवा दिया। इंद्र के मन की बात भाँप कर उन्होंने अपने अँगूठे के द्वारा सुमेरू पर्वत को दबा कर कंपायमान कर दिया। यह देखकर देवराज इंद्र ने उनकी शक्ति का अनुमान लगाकर उन्हें वीर के नाम से संबोधित करना शुरू कर दिया।

सन्मति का नाम

बाल्यकाल में महावीर महल के आँगन में खेल रहे थे। तभी आकाशमार्ग से संजय मुनि और विजय मुनि का निकलना हुआ। दोनों इस बात की तोड़ निकालने में लगे थे कि सत्य और असत्य क्या है? उन्होंने ज़मीन की ओर देखा तो नीचे महल के प्राँगण में खेल रहे दिव्य शक्तियुक्त अदभुत बालक को देखकर वे नीचे आएँ और सत्य के साक्षात दर्शन करके उनके मन की शंकाओं का समाधान हो गया है। इन दो मुनियों ने उन्हें सन्मति का नाम दिया और खुद भी उन्हें उसी नाम से पुकारने लगे।

पराक्रम ने बनाया अतिवीर

युवावस्था में लुका-छिपी के खेल के दौरान कुछ साथियों को एक बड़ा फनधारी साँप दिखाई दिया। जिसे देखकर सभी साथी डर से काँपने लगे, कुछ वहाँ से भाग गए। लेकिन वर्द्धमान महावीर वहाँ से हिले तक नहीं। उनकी शूर-वीरता देखकर साँप उनके पास आया तो महावीर तुरंत साँप के फन पर जा बैठे। उनके वजन से घबराकर साँप बने संगमदेव ने तत्काल सुंदर देव का रूप धारण किया और उनके सामने उपस्थित हो गए। उन्होंने वर्द्धमान से कहा- स्वर्ग लोक में आपके पराक्रम की चर्चा सुनकर ही मैं आपकी परीक्षा लेने आया था। आप मुझे क्षमा करें। आप तो वीरों के भी वीर अतिवीर है।

महावीर जयंती

इन चारों नामों को सुशोभित करने वाले महावीर स्वामी ने संसार में बढ़ती हिंसक सोच, अमानवीयता को शांत करने के लिए अहिंसा के उपदेश प्रसारित किए। उनके उपदेशों को जानने-समझने के लिए कोई विशेष प्रयास की ज़रूरत नहीं। उन्होंने लोक कल्याण का मार्ग अपने आचार-विचार में लाकर धर्म प्रचारक का कार्य किया। ऐसे महान् चौबीस ?तीर्थंकरों के अंतिम तीर्थंकर महावीर के जन्मदिवस प्रति वर्ष चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। महावीर जयंती के अवसर पर जैन धर्मावलंबी प्रात¬ काल प्रभातफेरी निकालते हैं। उसके बाद भव्य जुलूस के साथ पालकी यात्रा निकालने के तत्पश्चात् स्वर्ण एवं रजत कलशों से महावीर स्वामी का अभिषेक किया जाता है तथा शिखरों पर ध्वजा चढ़ाई जाती है। जैन समाज द्वारा दिन भर अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन ?करके महावीर का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। [1] तप से जीवन पर विजय प्राप्त करने का पर्व महावीर जयंती पर श्रद्धालु जैन मंदिरों में भगवान महावीर की मूर्ति को विशेष स्नान कराते हैं, जो कि अभिषेक कहलाता है. तदुपरांत, भगवान की मूर्ति को सिंहासन या रथ पर बिठाकर उत्साह और हर्सोल्लास पूर्वक जुलूस निकालते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में जैन धर्मावलम्बी शामिल होते हैं। इस सुअवसर पर जैन श्रद्धालु भगवान को फल, चावल, जल, सुगन्धित द्रव्य आदि वस्तुएं अर्पित करते हैं।

अहिंसा परमोधर्म

वर्तमान युग में महात्मा गाँधी ने सारी मनुष्य जाति को जिस महान् आदर्श को अपनाने के लिए अहवाहन किया था, उसके महत्व पर सर्वप्रथम एवं सबसे अधिक जैन तीर्थंकर पार्श्व और महावीर ने ही दिया है। महावीर स्वामी से हमें यह शिक्षा मिलती हैं कि हमें हिंसा किसी भी रूप में नहीं करनी चाहिए। सदा सत्य बोलना चाहिए। निर्बल, निरीह और असहाय व्यक्तियों की ही नहीं बल्कि पशुओं को भी नहीं सताना चाहिए। मनुष्य को मन, वचन , कर्म से शुद्ध होना चाहिए। ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। मनुष्य को अपने जीवन काल में देशाटन अवश्य करना चाहिए इससे ज्ञानार्जन होता है। यह ज्ञानार्जन का सर्वश्रेष्ठ साधन हैं। चोरी कभी नहीं करनी चाहिए। चोरी भी मन , वचन एवम कर्म से होती हैं अथवा किसी एक से भी करना, महापाप हैं। महावीर हमें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मार्गदर्शन देते हैं। उनकी जयंती के दिन हमें यह प्रतिज्ञा करने चाहिए कि उनकी बताई शिक्षा में से किसी एक शिक्षा को अपनायें। इससे हमारे में नैतिक गुणों का विकास होगा, साथ ही साथ अच्छे कर्म भी होंगे। भगवान महावीर ने दुनिया को बहुत ही अच्छे संदेश दिए। उनका सबसे प्रिय संदेश था अहिंसा के मार्ग पर चलने का। भगवान महावीर के मूल मंत्र जियो और जीने दो के सिद्धांत पर चलकर ही हम देश, दुनिया को बचा सकते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाएं हमें करुणामय एवं निस्वार्थ सादगीपूर्ण जीवन की प्रेरणा देती हैं। यह त्योहार सच्चाई, अहिंसा तथा सौहार्द के प्रति सभी की प्रतिबद्धताओं को मज़बूत करने का काम करे।

लोन मिलने में हो रही है दिक्कत? इन तरीकों से बढ़ाए अपना सिबिल स्कोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस महंगाई के जमाने में अपना मनपसंद सामान खरीदने के लिए लोन लेना एकमात्र सहारा है। क्योंकि लोन के जरिए हम कोई भी चीज आसानी से ले सकते हैं। हालांकि इसमें हमें ब्याज भी चुकाना पड़ जाता है।

ऐसे में बैंक से लोन मिलना कोई आसान बात नहीं है। इसके लिए आपका सिबिल स्कोर अच्छा होना चाहिए। क्योंकि खराब सिबिल स्कोर के तहत कोई भी बैंक आपको लोन देने में हिचकिचा सकता है। अगर आप भी खराब सिबिल स्कोर से जूझ रहे हैं, तो इसे कुछ तरीके अपनाकर बेहतर किया जा सकता है।

इन तरीकों को अपनाकर काफी कम समय में सिबिल स्कोर को बेहतर किया जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड की लिमिट पर ध्यान दें- सिबिल स्कोर सिर्फ आपके लोन पर नहीं, बल्कि क्रेडिट कार्ड पर भी प्रभाव डालता है। अगर किसी व्यक्ति का खराब सिबिल स्कोर होगा, तो उसे क्रेडिट मिलने में भी परेशानी हो सकती है।

एक व्यक्ति किस तरह से क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहा है। ये भी उसके सिबिल स्कोर पर असर करता है। एक अच्छा सिबिल स्कोर बनाए रखने के लिए क्रेडिट कार्ड का बिल समय पर भरे और क्रेडिट लिमिट से ज्यादा खर्च ना करें। इन बातों का ध्यान रख आप सिबिल स्कोर बैलेंस रख सकते हैं।

लोन कम से कम लें- अगर आप अलग-अलग तरह के लोन लेते हैं, तो ये आपके सिबिल स्कोर पर प्रभाव डाल सकता है। जैसे अगर आप एक लोन को भरने से पहले दूसरा लोन लेते हैं, तो इससे सिबिल स्कोर खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

समय पर भरें ईएमआई- क्रेडिट कार्ड के बिल के साथ-साथ ईएमआई भी समय पर भरना जरूरी है। अगर आप ईएमआई वक्त रहते नहीं देते, तो बैंक को आपकी क्षमता पर शक हो सकता है। जो आपके क्रेडिट स्कोर के लिए ठीक नहीं रहेगा।

छोटी अवधि के लोन से बचें- छोटी अवधि के तहत लोन लेने से ईएमआई भरना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में ईएमआई की किस्त सेविंग पर भी असर डाल सकती है। जिससे सिबिल स्कोर भी प्रभावित हो सकती है।

बड़े काम की है ये स्कीम, बिजनेस शुरु करने के लिए खुद सरकार देती है लाखों रुपये लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस योजना के तहत पहले 10 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती थी। जिसे अब बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। ये स्कीम खास तौर पर उन लोगों के लिए है, जो कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं. इस स्कीम में आपको 20 लाख रुपये की निश्चित गारंटी लोन मिल जाता है।

इसलिए अगर आपको बिजनेस शुरू करने में आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ रहा है, तो इस स्कीम का सहारा ले सकते हैं। हम बात कर रहे हैं, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की। इस स्कीम के तहत उधारकर्ता को चार अलग-अलग कैटेगरी में लोन लेने का अवसर मिलता है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से इन चारों में से कोई भी कैटेगरी चुन सकते हैं।

इसकी वेबसाइट की माने तो इस योजना के लाभार्थी में से 70 फीसदी महिलाएं है। वहीं इस योजना के तहत सरकार अब तक 329715.03 करोड़ रुपये आवंटित कर चुके हैं।

क्या है प्रधानमंत्री मुद्रा योजना- प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 2015 में की गई थी। इस योजना उद्देश्य रोजगार को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही नए उद्योगमियों को बढ़ावा भी देना है। इस स्कीम के तहत पहले सभी आवेदनकर्ताओ को 10 लाख रुपये तक गारंटी लोन मिलता था। जिसकी सीमा अब बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है।

रेपो रेट की कटौती से कितना होगा होमबायर्स को फायदा? क्या कहते है एक्सपर्ट्स?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने आज मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक में कई अहम फैसले लिए है। इसके तहत रेपो रेट में 25 बेसिस प्वाइंट की कटौती हुई है। जिससे यह अब घटकर 6 फीसदी हो गया है।

ऐसा दूसरी बार है कि आरबीआई ने रेपो रेट में कटौती की है। वहीं फरवरी के समय आरबीआई ने 5 साल बाद कटौती की थी। जिसका मतलब है कि 2025 से अब तक 0.50 फीसदी की कटौती हो चुकी है। अब जानते हैं कि इस गिरावट का सीधा असर किस-किस को पड़ सकता है।

किसे मिलेगा ज्यादा फायदा- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक रेपो रेट में कटौती से उन लोगों को फायदा मिलेगा। जिन्होंने फ्लेटिंग रेट पर होम लोन लिया हो। रेपो रेट कम होने से फ्लोटिंग रेट घटेगा और ईएमआई में भी गिरावट आएगी। जिससे ग्राहकों को कम ब्याज दर पर होम लोन मिल जाएगा। वहीं इसका असर रियल एस्टेट सेक्टर पर भी देखने को मिल सकता है।

क्या कहते है एक्सपर्ट्स- गौड़ ग्रुप के सीएमडी और क्रेडाई नेशनल के चेयरमैन, मनोज गौड़- मनोज गौड़ ने कहा कि रेपो रेट में हुई 0.25त्न की कटौती का रियल एस्टेट सेक्टर पर अच्छा असर देखने को मिलेगा। ये फैसला अमेरिका की टैक्स नीति की वजह से बढ़ते ग्लोबल ट्रेड के मुद्दे की वजह से अहम बन गया है।

उन्होंने आगे कहा कि इस बार की एमपीसी बैठक की एक और खास बात ये रही कि आरबीआई ने अपनी नीति को न्यूट्रल से बदलकर अकोमोडेटिव बना दिया है। इसका मतलब है कि अब आरबीआई अर्थव्यवस्था में ज्यादा पैसा डालेगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार मिलेगी, खर्च बढ़ेगा और इसका फायदा रियल एस्टेट सेक्टर पर देखने को मिलेगा।

यूपीआई यूजर्स के लिए बड़ी खबर, आरबीआई और एमपीसी कर रहे हैं मर्चेंट ट्रांजैक्शन की लिमिट बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरबीआई की एमपीसी मीटिंग की शुरुआत 7 अप्रैल को हुई थी। जिसका फैसला आज 9 अप्रैल की बैठक में लिया गया है। ये मीटिंग दो दिन तक चली। मौद्रिक समिति बैठक के दौरान रेपो रेट और अन्य वित्तीय संबंधित फैसले लिए गए हैं।

रेपो रेट के अलावा आरबीआई पर्सन-टू- मर्चेंट लिमिट को बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। जब कोई व्यक्ति यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड के जरिए किसी बिजनेस के साथ ट्रांसजेक्शन करता है। तो उसे पर्सन-टू-मर्चेंट कहा जाता है।

फिलहाल पर्सन-टू-मर्चेंट लिमिट 1 लाख रुपये रखी गई है। जिसे आरबीआई 2 लाख से 5 लाख रुपये तक करने पर विचार कर रहा है। हालांकि इसे लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं आया है।

यूपीआई के जरिए आज चंद मिनटों में ही एक बैंक से दूसरे बैंक पैसों की ट्रांसजेक्शन हो जाती है। आरबीआई ने ये फैसला यूपीआई के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए ले रहे हैं।

कितनी बढ़ सकती है लिमिट - पीटीआई के मुताबिक अभी यूपीआई के पर्सन-टू-पर्सन और पर्सन-टू-मर्चेंट ट्रांसजेक्शन करने के लिए लिमिट 1 लाख रुपये तक रखी गई है। हालांकि अब पर्सन-टू-मर्चेंट के बीच होने वाली ट्रांसजेक्शन लिमिट को बढ़ाकर 2 लाख रुपये से 5 लाख रुपये तक कर दिया जाएगा।

ट्रंप टैरिफ का भारत में कितना पड़ेगा असर, क्या बोले आरबीआई गवर्नर?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रंप टैरिफ के बाद से ही विश्व अर्थव्यवस्था डगमगाई हुई है। इसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजारों पर होते हुए दिख रहा है। इस बीच आज आरबीआई की मौद्रिक समिति बैठक का फैसला आया।

इस बैठक के दौरान ये तय किया गया कि आरबीआई रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती करेगा।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस बैठक के दौरान उन्होंने रेपो रेट से लेकर वित्तीय संबंधित कई फैसले लिए है। इस बीच उन्होंने ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के बारे में भी टिप्पणी दी।

आरबीआई गवर्नर क्या बोले- 9 अप्रैल बुधवार को आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने ट्रंप टैरिफ को लेकर कई महत्वपूर्ण बाते कही है। उन्होंने कहा कि ट्रंप के टैरिफ लगाने के बाद विश्व अर्थव्यवस्था में हलचल हो गई है। इससे वैश्वि अर्थव्यवस्था और मुद्रास्फीति में जोखिम देखने को मिल सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि ट्रंप टैरिफ से भारत के निर्यात पर गहरा प्रभाव हो सकता है। हालांकि सर्विस के निर्यात पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा।

आरबीआई गवर्नर ने सभी को सूचित किया कि विश्व अर्थव्यवस्था को देखते हुए इस फाइनेशियल ईयर का ग्रोथ प्रोजेक्शन 6.7 फीसदी से घटाकर 6.5 फीसदी करने का निर्णय लिया गया है। अभी भी वैश्विक अस्थिरता बनी हुई है।

उन्होंन कहा कि ग्रोथ प्रोजेक्शन में 0.20 की गिरावट की गई है।

भारत के निर्यात पर कितना होगा असर ?

अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत के निर्यात पर 26 फीसदी रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा की है। एक तरह से अगर भारत से कोई भी उत्पाद अब अमेरिका में निर्यात होता है, तो अमेरिका को 26 फीसदी टैक्स टैरिफ के रूप में देना होगा।

इस बीच अमेरिका ने ये क्लेम किया है कि भारत उनसे टैरिफ के रूप में 52 फीसदी टैक्स लेता है।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक साल 2021-22 और 2023-24 के दौरान अमेरिका भारत के निर्यात का बड़ा भाग था। भारत के कुल निर्यात में अमेरिका का 18 फीसदी योगदान था। वहीं आयात पर इसका 6.2 फीसदी का योगदान है।

ट्रंप टैरिफ के कारण शेयर बाजार में भी बिकवाली देखी जा रही है। भारतीय शेयर बाजार के अलावा अन्य स्टॉक मार्केट में भी भारी गिरावट है। आज प्री ओपन में ही भारतीय बाजारों की कमजोर शुरुआत दिख रही थी।

होम लोन की ईएमआई होगी कम, 25, 30 और 50 लाख रुपये के कर्ज पर कितनी होगी बचत?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपना मनपसंद घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। लेकिन इस महंगाई के जमाने में शहरी इलाकों में घर लेना मुश्किल होता जा रहा है। इसलिए अक्सर लोग मनपसंद घर खरीदने के लिए होम लोन का सहारा लेते हैं।

होम लोन के जरिए आप घर की कीमत एक तरह से किस्तों में चुकाते हैं। हालांकि इसमें ब्याज भी शामिल किया जाता है। किस्तों में घर लेने से आप पर बोझ भी कम हो जाता है। इसके साथ ही आपके सेविंग पर भी प्रभाव नहीं पड़ता।

होम लोन पर कैसे पड़ेगा असर- 9 अप्रैल को आरबीआई के एमपीसी मीटिंग का फैसला आया है। इसके तहत रेपो रेट में 0.25 की कटौती की है। जिसके बाद अब बैंक, आरबीआई से कम ब्याज दर पर शॉर्ट टर्म लोन ले पाएंगे। इसका असर लोन और ब्याज दर पर देखने को मिल सकता है। ये अनुमान है कि बैंक अपने ब्याज दरों में कटौती कर सकती है।

जिससे आपको कम ब्याज दर होम लोन मिल जाएगा। इसके साथ ही आप कम ईएमआई भी भरेंगे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

खरगोन जिले में गो तस्करों ने पुलिस की गाड़ी को मारी टक्कर, घटना में एक आरोपी हुआ घायल... परिवार बोला- गोली मारी

खरगोन । खरगोन जिले के हेलापड़ावा पुलिस चौकी क्षेत्र में मंगलवार-बुधवार रात को गो तस्करों पर की कार्रवाई विवादों में घिर गई है। कार्रवाई के दौरान जहां पुलिस ने गो तस्करी में लिप्त पिकअप वाहन चालक द्वारा पुलिस वाहन को टक्कर मारने से एक गोवंश तस्कर के घायल होने का दावा किया है।

वहीं घायल के परिवार वालों ने गोली लगने का आरोप लगाते हुए मामले को नया मोड़ दे दिया है। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में हुई इस वारदात के बाद समूचा पुलिस महकमा अलर्ट पर है। पुलिस खुद घायल को अस्पताल लेकर पहुंची। जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद घायल को इंदौर रेफर कर दिया। एएसपी नरेंद्र रावत ने बताया हेलापड़ावा पुलिस चौकी क्षेत्र में गोस्करी की कार्रवाई पिकअप सवार तस्करों ने पुलिस वाहन को टक्कर मारकर फरार होने का प्रयास किया था।

दो आरोपी भाग निकले

इस हादसे में पिकअप सवार दो लोग भाग गए, जबकि श्रवण डावर पुत्र कुंवरसिंह (19) निवासी आमड़ी झिरन्या घायल अवस्था में मिला। जिसे पुलिस अस्पताल लेकर आई। उसका एक्स-रे और सिटी स्कैन कराया है। उसके शरीर मे गोली से कोई घाव नहीं है।

अस्पताल बना पुलिस छावनी

गोली लगने से घायल होने के आरोपों के चलते समूचा अस्पताल परिसर पुलिस छावनी में तब्दील रहा। सिविल सर्जन डॉ. अमरसिंह चौहान के मुताबिक घायल के सिर में गंभीर चोट है। यह गन शाट है या अन्य कोई कारण कहा नहीं जा सकता। हालत गंभीर होने से उसे इंदौर रेफर किया है। उधर, घायल के मामले में आदिवासी संगठनों ने विरोध के साथ जांच की मांग की है।

अनूपपुर में बस की टक्कर से ऑटो रिक्शा के उड़े परखच्चे, अंदर बैठे तीन लोगों की मौत और पांच घायल

अनूपपुर । बुधवार को स्टेट हाईवे अमरकंटक मार्ग में किरार घाटी के पहले सजहा के पास एक यात्री बस ने सवारी बैठे एक ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इस घटना में ऑटो में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिला और एक पुरुष शामिल हैं। पांच घायलों को जिला अस्पताल अनूपपुर में उपचार हेतु भेजा गया है।

जानकारी अनुसार शहडोल से डिंडोरी जा रही बस क्रमांक एमपी 18 जेड एफ 9786 जैसे ही सजहा गांव के समीप पर मोड़ पर पहुंची सामने से आ रहे ऑटो क्रमांक एमपी 65 जेड बी 3401 से टकरा गई। घटना इतनी भीषण थी की ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए। मौके पर ही हो गई मौत मौके पर ही ऑटो में सवार तीन की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में मोहवती पती जगन्नाथ सिंह 40 वर्ष, रामकुमार पिता दशरथ सिंह 40 वर्ष और सूरजवती पति सुरेश सिंह 40 वर्ष शामिल हैं। ये सभी ग्राम बड़हर खोह के रहने वाले थे, जो अनूपपुर जा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान, कलेक्टर हर्षल पंचोली घायलों को देखने जिला अस्पताल पहुंचे।

अस्थिर स्थिति में उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है भारत-आशीषकुमार चौहान

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के एमडी और सीईओ श्री आशीष कुमार चौहान ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, निवेशकों की सोच और भविष्य की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार के प्रदर्शन पर इंडिया ग्लोबल फोरम, मुंबई एनएक्सटी25 में अपने विचार साझा किए।

अपने उच्चतम स्तर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर नीचे आने के बावजूद भारतीय कैपिटल मार्केट में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ ट्रेजेक्टरी पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा, 2014 में भारत का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर से कम था, और आज यह लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह बताता है कि देश में बड़ी मात्रा में संपत्ति का निर्माण हुआ है। विदेशी निवेशकों के बाहर निकलने को लेकर उन्होंने कहा कि ये ट्रेंड वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव और उभरते बाजार में जोखिम से बचने की भावना की वजह से देखा जा रहा है। लेकिन भारत की निर्यात संरचना कुछ ऐसी है, जिसकी वजह से यह ग्लोबल टैरिफ तनावों से काफी हद तक सुरक्षित है।

फाइनेंशियल इनक्लूजन (वित्तीय समावेशन) पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे निवेशों से भी मार्केट का आकर बढ़ रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय भी हो रहे, ये डायरेक्ट इंवेस्टमेंट्स इन्वेस्टर की मैच्योर सोच के बारे में बताते हैं।आईपीओ को लेकर उन्होंने बताया कि आईपीओ में स्थिति मजबूत बनी हुई है, केवल मार्च के अंत तक 50 से ज्यादा कंपनियों ने आईपीओ फाइल किये, और 2024 में एनएसई ने कुल 268 आईपीओ की मेजबानी की, जिनसे 19.6 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो दुनिया में अब तक का सबसे अधिक आईपीओ फंड रहा। इनमें से 178 आईपीओ छोटे और मीडियम उद्योगों (एसएमई) से जुड़े थे। कुल मिलाकर एनएसई के जरिए 209 बिलियन डॉलर से ज्यादा का फंड जुटाया गया। अपने संबोधन का संतुलित निष्कर्ष देते हुए, उन्होंने कहा, ÷भारत वैश्विक अस्थिरता के बीच सोच-समझकर आगे बढ़ रहा है। हमारे फंडामेंटल्स अच्छी स्थिति में हैं, और हमारे रेगुलेटर्स तथा सरकार एक स्थिर नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।÷

बाइक का पेट्रोल खत्म हुआ तो सड़क किनारे खड़े थे, रास्ते से जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली उन पर पलटी तो हो गई बच्चे की मौत

देवास । देवास अंचल के कन्नौद थाना क्षेत्र में मंगलवार रात ग्राम देवली में स्थित नाले की पुलिया पर कलवार की ओर से तेज गति से आ रही ईंट से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली असंतुलित होकर सड़क किनारे खड़े तीन लोगों पर पलट गई। हादसे में चार वर्षीय अनुज पुत्र मुकेश निवासी भवाना की दबने से मौत हो गई। हादसे में उसके पिता मुकेश एवं बहन अनुप्रिया घायल हो गए।

हादसे के बाद गुस्साए अज्ञात लोगों ने ट्रैक्टर में आग लगा दी। मामले की सूचना मिलते ही टीआई तहजीब पुलिस बल के साथ मौका स्थल पर पहुंचे। तीनों को कन्नौद के शासकीय सिविल अस्पताल भिजवाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने जांच कर अनुज को मृत घोषित कर दिया। सड़क किनारे पुलिया पर खड़े हुए थे

मुकेश एवं अनुप्रिया का उपचार किया गया। जानकारी के अनुसार मुकेश अपने पुत्र एवं पुत्री के साथ कहीं जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक में पेट्रोल खत्म हो गया और वे वह सड़क के किनारे पुलिया पर खड़े हुए थे, इसी दौरान ट्रैक्टर-टाली ने उनको चपेट में ले लिया।पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार मामले में अज्ञात ट्रैक्टर चालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। ट्रैक्टर में आग लगने के अज्ञात कारण की जांच की जा रही है। बुधवार को पीएम के बाद बालक अनुज का शव स्वजनों को सौंप दिया गया।

निजी मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए 1 रुपये में 25 एकड़ भूमि देगी सरकार

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश के 12 जिलों में पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब इन कॉलेजों के लिए सरकार मात्र 1 रुपये में 25 एकड़ सरकारी जमीन उपलब्ध कराएगी।

इन जिलों में कटनी, टीकमगढ़, बालाघाट, धार, सीधी, खरगोन, पन्ना, बैतूल, भिंड, नर्मदापुरम, देवास और मुरैना शामिल हैं। मंगलवार, 8 अप्रैल 2025 को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में निविदा शर्तों में बदलाव को मंजूरी दी गई। यह भी तय किया गया कि जिला अस्पताल निजी विकासकों को नहीं सौंपे जाएंगे, बल्कि उन्हें संबद्ध किया जाएगा। इससे अस्पतालों का उन्नयन होगा और मेडिकल कॉलेजों के मानव संसाधन का लाभ मिलेगा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने बताया कि इस कदम से निवेश को बढ़ावा मिलेगा और चिकित्सा शिक्षा का विस्तार होगा।

जिला अस्पताल सरकार के पास निविदा शर्तों में संशोधन

कैबिनेट ने निवेशकों के लिए राह आसान करते हुए निविदा शर्तों में बदलाव किया है। पहले निवेशकों को जमीन की व्यवस्था खुद करनी पड़ती थी, लेकिन अब सरकार 1 रुपये में 25 एकड़ जमीन देगी। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि दो बार निविदाएं आमंत्रित की जा चुकी थीं, लेकिन अब संशोधित शर्तों से प्रक्रिया तेज होगी।

जिला अस्पतालों को निजी हाथों में सौंपने की योजना पर मंत्रियों ने आपत्ति जताई थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इन्हें सरकार के नियंत्रण में रखने का फैसला लिया गया। संचालन सिविल सर्जन करेंगे और 75त्न बिस्तर गरीबों के लिए आरक्षित रहेंगे। इससे स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की उम्मीद है।

मल्हारगढ़ सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को हरी झंडीकैबिनेट ने मंदसौर जिले की मल्हारगढ़ (शिवना) दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को मंजूरी दी। यह परियोजना पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक का हिस्सा है, जिसकी लागत 2,932 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके तहत 60 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा मिलेगी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने संवेदनशील होकर नागरिकों की समस्याओं को सुना और किया निराकरण

जनसुनवाई के आवेदनों को समय सीमा में निराकृत करने की विशेष व्यवस्था

इंदौर। प्रति मंगलवार की तरह इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में आज जनसुनवाई सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका तत्काल निराकरण करें। ऐसे आवेदन जो मौके पर निराकृत नहीं हो सके, उन्हें सीएम हेल्पलाइन में दर्ज कर समय सीमा में सकारात्मक रूप से निराकृत करने की व्यवस्था की गई है। प्राप्त आवेदन अनिवार्य रूप से सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किये जाये। आवेदकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। उनका आवेदन एक बार में ही समय सीमा में निराकृत हो जायें।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज जनसुनवाई में आवेदकों की समस्याओं को सुना और मौके पर ही अनेक प्रकरणों का निराकरण किया। ऐसे प्रकरण जो मौके पर निराकृत नहीं हो सके, उनके निराकरण के लिए समय सीमा तय की गई। अनेक प्रकरण प्राथमिकता सूची टीएल में दर्ज करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने जरूरतमंदों को इलाज, शिक्षा और रोजगार के लिए मदद दी गई। निराकरण से शेष रहे आवेदनों को निराकृत करने के लिए समय-सीमा तय की गई। जनसुनवाई में आये आवेदनों के निराकरण की प्रति सप्ताह कलेक्टर द्वारा समीक्षा भी की जाएगी। जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदन के निराकरण का फॉलोअप ?किया जाएगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि हर आवेदन में निराकरण की कार्यवाही सुनिश्चित हो। सकारात्मक निराकरण हो। जनसुनवाई में आज कुल 200 से अधिक आवेदन आये। जनसुनवाई में अन्य अधिकारियों ने भी संवेदनशील होकर नागरिकों की समस्याओं को सुना और निराकरण किया। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन प्लॉट, संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद आदि के प्राप्त हुए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह सहित सभी अपर कलेक्टरों और अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता के साथ सुनकर निराकरण किया।

संभागायुक्त द्वारा ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विकास योजना एक ऐसी योजना है, जिससे गाँव-गाँव यातायात सुगम हुआ है। प्राधिकरण के सभी अधिकारी इन सड़कों के रख रखाव पर पूरा ध्यान दें और संपर्कता सर्वे अभियान को समय सीमा में पूरा करें। बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी. एस. रणदा सहित इंदौर संभाग के सभी ज़िलों से आए ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के जनरल मैनेजर उपस्थित थे। बैठक में बताया गया है कि संभाग के सभी ज़िलों में सर्वे का कार्य 90 प्रतिशत से अधिक पूर्ण हो गया है।

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गत वित्तीय वर्ष में संभाग के विभिन्न ज़िलों में 42 पुलों का निर्माण किया गया है, इनकी कुल लागत 132 करोड़ रुपये है। वर्तमान में 223 करोड़ रुपये की लागत से 73 ब्रिज का निर्माण प्रगतिरत है।

इंदौर संभाग के अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों में क्रियान्वित होगा इंटीग्रेटेड स्कूल प्लान

इंदौर। इंदौर संभाग के अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों और अन्य सुदूर क्षेत्रों में खेल-खेल में तनाव रहित शिक्षा देने और केरियर बनाने के संबंध में मदद देने के लिये इंटीग्रेटेड स्कूल प्लान क्रियान्वित किया जायेगा। पब्लिक प्रायवेट मॉडल के आधार पर यह प्लान विभिन्न चरणों में क्रियान्वित होगा। इसके तहत स्कूली बच्चों को स्किल डेवलपमेंट और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों की जानकारी देकर उन्हें आवश्यक मटेरियल भी उपलब्ध कराया जायेगा।

आज संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की पहल पर यह निर्णय लिया गया। इस बाबत संभागायुक्त की अध्यक्षता में संबंधितों की बैठक कमिश्नर कार्यालय में संपन्न हुई। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने कहा कि आज इस प्लान के संबंध में स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा से जुड़े शासकीय और अशासकीय संस्थानों के साथ बैठक की गई। बैठक में कोचिंग संस्थानों से भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि इंदौर संभाग के अनुसूचित जनजाति बहुल क्षेत्रों और सुदूर क्षेत्रों के स्कूली बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं, स्कील डेवलपमेंट और रोजगारमूलक शिक्षा के संबंध में केरियर मार्गदर्शन देने की व्यवस्था की जा रही है। इसके साथ ही सरल भाषा में वे अपने कोर्स की तैयारी किस तरह करें, उस संबंध में भी उन्हें मार्गदर्शन दिया जायेगा।

बढ़ते तापमान को देखते हुए लू (तापघात) से बचाव के लिए एडवायजरी जारी

इंदौर। इंदौर जिले में बढ़ते तापमान को देखते हुये लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवायजरी जारी की गई है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे लू (तापघात) से बचाव एवं उपचार हेतु एडवायजरी में दिये गये सुझावों का पालन करें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.सैत्या ने नागरिकों से अपील की है कि लू (तापघात) के लक्षण दिखाई देते ही निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। लू (तापघात) के प्रकोप से बचाव के उपाय करें। उन्होंने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं।

गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पीये व खाली पेट न रहें। शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें। ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने। बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें। दिन में 12 से 04 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें। धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पीये। बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें।

जल संरक्षण के संबंध में जन जागरूकता के लिए गाँव-गाँव हो रहे हैं जल संवाद

इंदौर। इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत जल संरक्षण और संवर्धन के बारे में जन जागरूकता के लिए जल संवाद कार्यक्रमों का आयोजन गाँव-गाँव किया जा रहा है। जल संवाद कार्यक्रम में जहाँ एक ओर ग्रामीणों को जल की महत्ता बतायी जा रही है, जल बचाने का संकल्प दिलाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर गाँव की जल संरचना के जीर्णोद्धार के लिए श्रमदान भी किया जा रहा है।

इसी सिलसिले में गत दिवस जिले के देपालपुर विकासखंड के अनेक गाँवों में जल संवाद कार्यक्रम आयोजित किये गये। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के सहयोग से हुए। इस दौरान जल संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जल संवाद कार्यक्रम सुमठा और अहिरखेड़ी में आयोजित हुए। जिसमें तालाब गहरीकरण हेतु सांकेतिक श्रमदान किया गया। धरती माता का पूजन किया गया। जल बचाने हेतु शपथ ग्रामीण जनों को दिलाई गई। विकासखंड समन्वयक श्री सुरेश चंद्र यादव ने कहा कि जल है तो कल है। पानी ओर पेड़ बचाने का प्रण लेना ही चाहिए। सरकार का संदेश गांव गांव तक पहुंचाने का काम जनअभियान परिषद कर रहा है। जन अभियान परिषद इसके माध्यम से गांव-गांव में गठित प्रस्फुटन समितियो के माध्यम से लोगो को जागरुक करने का काम कर रहे है। कार्यक्रम में सरपंच श्री रतनसिंह पंवार, प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंह राठौर, श्री शोभाराम पंवार, श्री पदमसिंह, पर्यावरण प्रेमी श्री निर्भय सिंह गोयल, प्रस्फुटन समिति के सचिव श्री विशाल नागर ग्राम पंचायत के सचिव और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

इसी तरह विकासखण्ड सांवेर के ग्राम बुढ़ीबरलई में भी जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम अंतर्गत एमएसडब्ल्यू द्वितीय वर्ष में अध्ययनरत छात्रा प्रिया मांगोले द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान की विशेष ग्राम सभा आयोजित की गई, जिसमें प्राचीन जल संरचनाओ के संरक्षण-संवर्धन पर चर्चा की गई।

5 वीं पद्मश्री डॉ. एन. एन. जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का आयोजन 16 अप्रैल से, प्रतियोगिता में देशभर की टीमें होंगी शामिल

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (क्लृस्क) के लॉ विभाग द्वारा 5वीं पद्मश्री डॉ. एन. एन. जैन राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन 16 से 18 अप्रैल 2025 तक किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 16 अप्रैल को सुबह 10 बजे उद्घाटन समारोह के साथ आरंभ होगी और 18 अप्रैल को शाम 4 बजे समापन समारोह के साथ सम्पन्न होगी। जानकारी देते हुए पीआईएमआर डिपार्टमेंट ऑफ़ लॉ के

डायरेक्टर, डॉ निशांत जोशी ने कहा कि इस तीन दिवसीय कानूनी महाकुंभ में देशभर के प्रमुख लॉ कॉलेजों की टीमें भाग लेंगी। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के प्रतिष्ठित न्यायमूर्तिगण व वरिष्ठ अधिवक्ता इस आयोजन में मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

प्रतियोगिता का विषय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल डेटा सुरक्षा कानून, और भारतीय संविधान पर आधारित है, जो समकालीन कानूनी परिदृश्य की गंभीर चुनौतियों और संभावनाओं को प्रतिबिंबित करता है। प्रतियोगिता में प्रारंभिक राउंड, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल, और फाइनल राउंड सहित कई चरणों में मुक़ाबले होंगे। विजेता टीम को 51,000 तथा उपविजेता टीम को 25,000 की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ वक्ता, सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता, और सर्वश्रेष्ठ मेमोरियल को 11,000-11,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी।

डॉ जोशी ने कहा कि यह राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता न केवल प्रतिभागियों को व्यावहारिक एवं अनुभवजन्य शिक्षा प्रदान करेगी, बल्कि उन्हें देश के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभाशाली छात्रों और कानूनी पेशेवरों के साथ नेटवर्किंग का अनूठा अवसर भी देगी। राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता के कोऑर्डिनेटर्स डॉ गोपाल गर्ग तथा श्रेया पांडे ने कहा कि यह आयोजन छात्रों को कानूनी विश्लेषण, समस्या-समाधान, तर्क-वितर्क कौशल और नैतिकता की गहराई से समझ विकसित करने का उत्कृष्ट मंच प्रदान करता है।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृगधरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सीवरेज प्रोजेक्ट अंतर्गत टाटा द्वारा किया जा रहा हाउस कनेक्शन को मेन होल का कार्य - महापौर मुकेश टटवाल

उज्जैन। बुधवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा जल कार्य एवं सीवरेज के प्रभारी सदस्य श्री प्रकाश शर्मा, टाटा के अधिकारियों के साथ बजरंग नगर, छोटी कमल कॉलोनी एवं हरी नगर क्षेत्र का निरीक्षण किया गया जहां सीवरेज प्रोजेक्ट के अंतर्गत टाटा द्वारा कार्य पूर्ण किया गया है एवं घरों के हाउस कनेक्शन को आईसी चौंबर से जोड़ते हुए मेल हॉल में जोड़ा गया है उक्त कार्यों का निरीक्षण करते हुए महापौर द्वारा रहवासियों से भी फीडबैक लिया गया कि जो आपके घरों के कनेक्शन को आईसी चेम्बर से जोड़ा गया है इससे क्या लाभ हुआ तब रहवासियों द्वारा संतुष्टि पूर्वक जवाब देते हुए कहा कि घरों के कनेक्शन को मेन लाइन में जोड़ा गया है जिससे अब ना तो नालियों से बदबू आती है, ना ही मच्छर होते हैं और ना ही जल भराव की समस्या होती है हमारी इस समस्या का समाधान हुआ है

निरीक्षण के दौरान टाटा के अधिकारियों द्वारा महापौर श्री मुकेश टटवाल को जानकारी देते हुए बताया गया कि सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत संपूर्ण कार्य को 9 जोनों में विभाजित किया गया है जिसमें से तीन जोनों का काम पूर्ण हो गया है जिसमें घरों के हाउस कनेक्शन को भी आईसी चेम्बरों से जोड़ते हुए मेन होल के माध्यम से ट्रैंक मेन लाइन में भेजा जाएगा, घरों के कनेक्शन को जोड़ने के बाद घरों से निकलने वाले किचन का पानी, बाथरूम का पानी, सेफ्टी टैंक का पानी इन्हीं चेम्बरों के माध्यम से होते हुए मेन ट्रैंक लाइन तक पहुंचेगी शीघ्र ही अन्य जोनों में भी जो कार्य शेष रहे हैं उन्हें पूर्ण करते हुए हाउस कनेक्शन को आईसी चौंबर से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य कैलाश प्रजापत, जोन अध्यक्ष विजय सिंह कुशवाहा, टाटा से शैलेश तिवारी, राजीव नेमा आशीष जैन उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यालय में मनाया एनएसयूआई का 55वां स्थापना दिवस

सदैव छात्रहितों में समर्पित भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन देश में सबसे बड़ा छात्र संगठन है- हिमांशु शर्मा

उज्जैन। एनएसयूआई का 55वां स्थापना दिवस 9 अप्रैल को शहर कांग्रेस कार्यालय पर मनाया गया। इस दौरान भारत की प्रथम और अब तक एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधीजी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया गया।

एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में हुए इस आयोजन मे शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेश सोनी, अजय राठौर, प्रदेश सचिव हिमांशु शुक्ल, यूनिवर्सिटी अध्यक्ष तरुण परिहार, मयंक सिंह राजपूत, तरुण लश्करी, मुकुल गुरैया, एजाज मंसूरी, तरुण लश्करी, लक्की शर्मा, पीयूष चौधरी, अमन सोनी, नाजिम कुलदीप भाटी, साहिल जायसवाल आदि मौजूद रहे। हिमांशु शर्मा ने बताया कि नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की छात्र शाखा है, जिसकी स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 9 अप्रैल 1971 को की थी। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो सदैव छात्रहितों में समर्पित रहता है।

श्रीमद् भागवत कथा में षष्ठम दिवस हुए बाल लीला के दर्शन

उज्जैन। श्री हनुमान जन्म महोत्सव के पावन अवसर पर श्री मायापति हनुमान मंदिर परिवार सदस्यों द्वारा आयोजित 10 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा में षष्ठम दिवस भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला के दर्शन हुए। श्री मायापति हनुमान मंदिर, सामाजिक न्याय परिसर द्वारा आयोजित महोत्सव के अंतर्गत छठे दिवस पर क्षेत्रीय विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा द्वारा भागवतजी की आरती की गई एवं श्री कथा व्यास रामघाट स्थित श्री मदन मोहनजी के पुजारी भाई गिरीश गोविंद शर्मा का स्वागत सत्कार किया गया।

पुस्तक मेला, सरकार किसका भला चाह रही बच्चों का या दुकानदारों का

उज्जैन। आज के समय में बिना किसी रिस्क का व्यवसाय यदि है तो वह है शिक्षा का। जहां किताबों से लेकर जूते तक स्कूल में बिक रहे हैं। जिन किताबों की कीमत 60 से 80 रुपए होती है वो किताब 775 रुपए की बिक रही है। उज्जैन में गवर्मेंट ने पुस्तक मेला आयोजित किया जहां दावा किया था कि दुकानों से आधे रेट में पुस्तक मिलेगी लेकिन वहीं जाकर जब तलाश किया गया तो पता चला कि दूसरी क्लास की एक बुक 775 की है और कॉपी अलग से मतलब 2 से 3 हजार रुपए में दूसरी कक्षा का कोर्स आ रहा है। अब यदि 10 परसेंट लेस किया जाए तो 100, 200 कट जाएगा ज्यादा से ज्यादा। समझने की ये बात है कि गवर्मेंट किसका भला चाह रही है बच्चों का या दुकानदारों का ये आम आदमी को समझना चाहिए कि पुस्तक मेला में भी पुस्तक उतने में ही मिलेगी तो इतना बवंडर क्यूं किया।

समाजसेवी अभिषेक माथुर ने बताया कि आज बच्चों को शिक्षित करना भी अभिभावक को एक चुनौती पूर्ण कार्य लगने लगा है। गरीब आखिर कहा जाए, ग्रामीण सरकारी स्कूलों में हम देखे तो 7 बच्चों पर 2 टीचर हैं दोनों की सेलरी यदि देखे तो 1 से डेढ़ लाख रुपए महीना केवल 7 बच्चों पर सरकार खर्च कर रही है। वहीं प्रौढ़ शिक्षा के नाम पर करोड़ों खर्च कर रहे हैं। फिजूल खर्च बचा कर सरकार सिटी के इन बच्चों पर लगाए जो सक्षम नहीं हैं, लेकिन शिक्षित होना चाहते हैं। गवर्मेंट कम से कम शिक्षा की ओर तो ईमानदारी दिखा दे। समाजसेवी अभिषेक माथुर के साथ ही अभिभावक दया शंकर, मोनू भाई, सुशीलजी आदि लोगों ने पुस्तक मेले में किताबों के मूल्य की अधिकता की शिकायत करते हुए कहा कि शासन इस ओर ध्यान देकर अभिभावकों को राहत प्रदान करें।

सरल,सुलभ उपचार पद्धति होम्योपैथी पहुंची 80 देशों तक

उज्जैन। एक सरल और सुलभ उपचार पद्धति के रूप में होम्योपैथी को अनेक देशों में अपनाया गया है । लगभग 80 देशों में इस पद्धति का प्रयोग किया जाता हैं ।होम्योपैथीक चिकित्सा पद्धति की स्वीकार्यता तथा लोकप्रियता को और अधिक बढ़ाने में रिसर्च और प्रोफिशिएंसी की महवपूर्ण भूमिका रहेगी ।

अनेक पद्धतियों से इलाज करके निराश हुआ व्यक्ति, होम्योपैथी के चमत्कार से लाभान्वित हुआ, ऐसे अनुभव लोग साँझा करते है । आरोग्यं परमं भाग्यं, स्वास्थ्यं सर्वार्थ साधनमः अर्थात अच्छा स्वस्थ सबसे बड़ा सोभाग्य है, का यह दृष्टिकोण भारत की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों तथा होमियोपैथी में देखने को मिलता है ।

लगभग एक दशक पहले शुरू की गयी राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत भृत्य चिकित्सा पद्धतियों के साथ साथ होम्योपैथी की पहुँच और अधिक व्यापक हुई है । विश्व होम्योपैथी दिवस होम्योपैथी के योगदान और स्वास्थ्य सेवा पर इसके प्रभाव का सम्मान करने का एक अवसर है।

हर साल विश्व स्तर पर आयोजित होने वाला यह दिवस होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनीमैन की उपलब्धियों का स्मरण करता है और इस वैकल्पिक चिकित्सा प्रणाली के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। इस दिन को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है जो प्राकृतिक रूप से बीमारियों के इलाज में होम्योपैथी की प्रभावशीलता को उजागर करते हैं। होम्योपैथी के प्रणेता डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। उनके अभिनव सिद्धांतों ने चिकित्सा के लिए एक समग्र और प्राकृतिक दृष्टिकोण की नींव रखी, जिससे दुनिया भर में लाखों लोगों को लाभ मिल रहा है। होम्योपैथी चिकित्सकों का मत है कि इस पद्धति का उपयोग अक्सर एक व्यापक श्रेणी की बीमारियों के इलाज के लिए दवा के पूरक रूप में किया जाता है।

फिर भी कुछ बीमारियों में इसे ज्यादा कारगर माना जाता है। इन बीमारियों में एलर्जी, दमा, वात रोग, चिंता और अवसाद, क्रोनिक फटीग सिंड्रोम, माइग्रेन और सिरदर्द, पाचन विकार, इरिटेबल बाउल सिंड्रोम (आईबीएस), त्वचा की स्थिति (जैसे एक्जिमा और सोरायसिस), मासिक धर्म संबंधी विकार, जैसे मासिक धर्म में ऐंठन और अनियमित अवधि, श्वसन संक्रमण, जैसे सर्दी और फ्लू आदि। लेकिन अपनी विशिष्ट स्थिति के लिए उपचार का सर्वोत्तम तरीका निर्धारित करने के लिए एक योग्य स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से परामर्श करना जरूरी है। यह दुनिया के कई देशों में प्रचलित है और इसने भारत में भी सर्वाधिक लोकप्रियता हासिल की है। भारत में होम्योपैथी के उपयोग का एक लंबा इतिहास रहा है। अनुमान है कि भारत में 15 करोड़ से अधिक लोग होम्योपैथी का उपयोग अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए करते हैं। उदाहरण के लिए, भारत में 300,000 से अधिक पंजीकृत होम्योपैथिक डॉक्टर और 7,000 से अधिक होम्योपैथिक अस्पताल और औषधालय हैं।

हर समय कारगर है होम्योपैथी चिकित्सा

होम्योपैथी चिकित्सा हर समय कारगर है, सही दवा एवं सही मात्रा में ली गई दवा शरीर की सुरक्षा पद्धति को सक्रिय बनाती है और उन्हें स्वयं ठीक होने में मदद करती है। होम्योपैथी दवाओं का बाजार तेजी से बढ रहा है। होम्योपैथी उपचार अब कंपनियों द्वारा उनकी व्यापक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी के तहत दिए जा रहे हैं। चिकित्सा की एक वैकल्पिक प्रणाली होने से आज होम्योपैथी चिकित्सा की एक पूरक प्रणाली है और इसका उपयोग एलोपैथी के साथ भी किया जा सकता है।

साथ ही यह बच्चों सहित सभी पुरुषों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए प्राकृतिक और सुरक्षित है। होम्योपैथी सुरक्षा और अपने उपयोगिता के प्रभावशाली ट्रेक रिकार्ड के साथ न केवल भविष्य की दवा है, बल्कि निवारक स्वास्थ्यवर्धक के रूप में भी उपयोगी है।

पुस्तक मेला, सरकार किसका भला चाह रही बच्चों का या दुकानदारों का

उज्जैन। आज के समय में बिना किसी रिस्क का व्यवसाय यदि है तो वह है शिक्षा का। जहां किताबों से लेकर जूते तक स्कूल में बिक रहे हैं। जिन किताबों की कीमत 60 से 80 रुपए होती है वो किताब 775 रुपए की बिक रही है। उज्जैन में गवर्मेंट ने पुस्तक मेला आयोजित किया जहां दावा किया था कि दुकानों से आधे रेट में पुस्तक मिलेगी लेकिन वहीं जाकर जब तलाश किया गया तो पता चला कि दूसरी क्लास की एक बुक 775 की है और कॉपी अलग से मतलब 2 से 3 हजार रुपए में दूसरी कक्षा का कोर्स आ रहा है। अब यदि 10 परसेंट लेस किया जाए तो 100, 200 कट जाएगा ज्यादा से ज्यादा। समझने की ये बात है कि गवर्मेंट किसका भला चाह रही है बच्चों का या दुकानदारों का ये आम आदमी को समझना चाहिए कि पुस्तक मेला में भी पुस्तक उतने में ही मिलेगी तो इतना बवंडर क्यूं किया। समाजसेवी अभिषेक माथुर ने बताया कि आज बच्चों को शिक्षित करना भी अभिभावक को एक चुनौती पूर्ण कार्य लगने लगा है। गरीब आखिर कहा जाए, ग्रामीण सरकारी स्कूलों में हम देखे तो 7 बच्चों पर 2 टीचर हैं दोनों की सेलरी यदि देखे तो 1 से डेढ़ लाख रुपए महीना केवल 7 बच्चों पर सरकार खर्च कर रही है। वहीं प्रौढ़ शिक्षा के नाम पर करोड़ों खर्च कर रहे हैं। फिजूल खर्च बचा कर सरकार सिटी के इन बच्चों पर लगाए जो सक्षम नहीं हैं, लेकिन शिक्षित होना चाहते हैं। गवर्मेंट कम से कम शिक्षा की ओर तो ईमानदारी दिखा दे। समाजसेवी अभिषेक माथुर के साथ ही अभिभावक दया शंकर, मोनू भाई, सुशीलजी आदि लोगों ने पुस्तक मेले में किताबों के मूल्य की अधिकता की शिकायत करते हुए कहा कि शासन इस ओर ध्यान देकर अभिभावकों को राहत प्रदान करें।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com